यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी परीक्षा २०२० सम्पन्न भऽ गेल अछि। जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण करताह आ जँ मेन्समे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य हेतन्हि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि। टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिलिम्सक रिजल्टक तत्काल बाद होयत। टेस्ट-सीरीजक उत्तर विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेलसँ पठेबामे असोकर्ज होइन्हि तँ ओ हमर ह्वाट्सएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि। संगमे ओ अपन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉपी सेहो वेरीफिकेशन लेल पठाबथि। परीक्षामे सभ प्रश्नक उत्तर नहि देमय पड़ैत छैक मुदा जँ टेस्ट सीरीजमे विद्यार्थी सभ प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका लेल श्रेयस्कर रहतन्हि। विदेहक सभ स्कीम जेकाँ ईहो पूर्णतः निःशुल्क अछि।- **गजेन्द्र ठाकुर**

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज (मुख्य) परीक्षा, २०२० मैथिली (ऐच्छिक) लेल टेस्ट सीरीज-१

मैथिली साहित्य **प्रश्न-पत्र-१**

पूर्णाङ्क- २५० समय- तीन घंटा

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (सेक्शन) मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या १ तथा प्रश्न संख्या ५ अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (सेक्शन) सँ कम-सँ-कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/ खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिलीमे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरोकेँ गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी।

सेक्शन-ए

१. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग १५० शब्दधरि): (१०*५=५०)
(ए) ’अर्थ-संकोच’क प्रकृति
(बी) प्रयत्नलाघवक विलक्षणता किछु उदाहरणक संग
(सी)वर्ण-विपर्ययक कारण ओ महत्व
(डी) राजेश्वर झाक भाषावैज्ञानिक कृति
(ई)दीनबन्धु झाक व्याकरणक उपादेयता

२. (ए) भारोपीय भाषा-परिवारक परिचय दिअ। (२०)

(बी) मैथिली ओ असमिया भाषाक सम्बन्धक विवेचन करू। (१५)

(सी) तिरहुता लिपिक उद्भव ओ विकास पर प्रकाश दैत ओकर वर्तमान स्थितिक विवेचन करू। (१५)

३. (ए) मैथिली भाषाक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। (२०)

(बी) मागधीक विकासक्रमक समीक्षा करू। (१५)

(सी) मध्यकालीन आर्यभाषाक परिचय दिअ (१५)

४. (ए) मैथिली भाषाक क्षेत्रमे डॉ. ग्रियर्सनक की अवदान अछि, विवेचन करू। (२०)

(बी) मैथिली भाषा-विज्ञानक क्षेत्रमे सुभद्र झाक योगदानक समीक्षा करू। (१५)

(सी) मैथिली भाषाक विकासमे अवहट्टक महत्त्वक मूल्यांकन करू। (१५)

सेक्शन- बी

५. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग १५० शब्दधरि): (१०*५=५०)
(ए) डाक-वचनावली
(बी) लोचन
(सी) चर्यापद मैथिलीक सम्पत्ति
(डी) असमक अंकियानाटक विवेचन करू।
(ई) मैथिलीक लोकोक्ति-फकरा ओ सिद्धाचार्य

६. (ए) मैथिली साहित्यक आदिकालक उपलब्ध सामग्रीसँ परिचय कराउ। (२०)

(बी) मध्यकालीन मैथिली नाटकक विकासमे ’कीर्त्तनिञा’ नाटकक महत्त्व प्रतिपादित करू। (१५)

(सी) सिद्ध साहित्यक परिचय दैत एकर भाषागत वैशिष्ट्यक विश्लेषण करू। (१५)

७. (ए) ‘‘विद्यापतिक प्रभाव मिथिलेधरि सीमित नहि रहल’’- एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू। (२०)

(बी) हरिमोहन झाक ’जीवन-यात्रा’ मार्मिक संस्मरण प्रस्तुत करैत अछि- सयुक्ति विवेचन करू। (१५)

(सी) आधुनिक मैथिली साहित्यक विकासमे पत्र-पत्रिकाक महत्त्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश दिअ। (१५)

८. (ए) ’सुन्दर-संयोग’ नाटकक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। (२०)

(बी) आधुनिक मैथिली कविताक पृष्ठभूमिकविवेचन करू। (१५)

(सी) मैथिली समालोचना शास्त्रक विकास ओ वर्तमान स्थिति पर अपन मन्तव्य दिअ (१५)

यू.पी.एस.सी. क प्रिलिमिनरी परीक्षा २०२० सम्पन्न भऽ गेल अछि। जे परीक्षार्थी एहि परीक्षामे उत्तीर्ण करताह आ जँ मेन्समे हुनकर ऑप्शनल विषय मैथिली साहित्य हेतन्हि तँ ओ एहि टेस्ट-सीरीजमे सम्मिलित भऽ सकैत छथि। टेस्ट सीरीजक प्रारम्भ प्रिलिम्सक रिजल्टक तत्काल बाद होयत। टेस्ट-सीरीजक उत्तर विद्यार्थी स्कैन कऽ editorial.staff.videha@gmail.com पर पठा सकैत छथि, जँ मेलसँ पठेबामे असोकर्ज होइन्हि तँ ओ हमर ह्वाट्सएप नम्बर 9560960721 पर सेहो प्रश्नोत्तर पठा सकैत छथि। संगमे ओ अपन प्रिलिम्सक एडमिट कार्डक स्कैन कएल कॉपी सेहो वेरीफिकेशन लेल पठाबथि। परीक्षामे सभ प्रश्नक उत्तर नहि देमय पड़ैत छैक मुदा जँ टेस्ट सीरीजमे विद्यार्थी सभ प्रश्नक उत्तर देताह तँ हुनका लेल श्रेयस्कर रहतन्हि। विदेहक सभ स्कीम जेकाँ ईहो पूर्णतः निःशुल्क अछि।- गजेन्द्र ठाकुर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विसेज (मुख्य) परीक्षा, २०२० मैथिली (ऐच्छिक) लेल टेस्ट सीरीज-१

मैथिली साहित्य **प्रश्न-पत्र-२**

अधिकतम अंक- २५० समय- तीन घंटे

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ:

एतय दू खण्ड (सेक्शन) मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या १ तथा प्रश्न संख्या ५ अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (सेक्शन) सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/ खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिली (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी।

सेक्शन-ए

१. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि। काव्य वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए। (उत्तर अधिकतम १५० शब्दमे दातव्य) (१०*५=५०)

(ए) बाग्मति- कमला कोसिक धारा

जा धरि पृथवी सागर जा धरि

जीवित रहब अहाँ तहिआ धरि

काए- बचनसँ अथवा मनसँ

हिंसा कएल न कोनो जीवक

कोटिक कोटि मनुक्खक हित लए

जिनगी अपन बिताओल गरीबक

दुख ककरो नहि देलक कनेको

अपने विपति उठाओल अनेको

जिवितहिँ परसल कीर्ति भुवन भरि

तेना बहाओल शान्तिक सुरसरि।

(बी) आगमने प्रेम गमने कुल जाएत

चिन्ता पङ्क लागलि करिणी

मञे अबला दह दिस ममि झाखञो

जनि व्याध डरे भीरू हरिणी॥

चन्दा दुरजन गमन विरोधक

उगल गगन भरि बैरि मोरा॥

कुहु भरमे पथ पद आरोपल

आए तुलाएल पञ्चदशी।

(सी)अनिल अनलवम मलाज वीख।

जे छल सीतल से भेल तीख॥

चान्द सताबए सविताहु जीनि।

नहि जीवन एकमत भेल तीनि॥

किछु उपचार न मानए आन।

एहि बेआधि अथिक पचवान॥

(डी) विधवा हमरे सन हजारक हजार

बहौने जा रहलि अछि नोरक धार

ओहिमे ई मुलुक डुबि बरू जाय

अगड़ाही लगौ बरू बज्र खसौ

एहेन जाति पर बरू धसना धसौ

भूकम्पक हौक बरू फटौ धरती

माँ मिथिला रहिये कऽ की करती!

(ई) तोड़िकँ हरिसिंहदेवक डाँड़

काल्हि जँ बौआ बिआहथि मेम

महाश्वेता बहुरिआ

चिनमार पर ओ आबि

बिहुँसि लगती गोसाउनिकँ गोड़

तँ अहाँ की छाड़ि कँ ई माटि

पड़ाएब चल जएब मोरङ दीस।

२. (ए) ‘‘चित्रा’’ मे प्राचीन-मध्य ओ आधुनिककालीन मिथिलाक सामाजिक जीवनक सम्यक वर्णन भेल अछि- विश्लेषण करू। (२०)

(बी) ‘‘कीचक वध’’ महाकाव्यक महाकाव्यत्व प्रमाणित करू। (१५)

(सी) मैथिली काव्य-साहित्यमे ‘‘कृष्णजन्म’’क महत्त्व पर प्रकाश दिअ। (१५)

३. (ए) """मिथिला भाषा रामायण"क "सुन्दरकाण्ड"मे वर्णित घटनाक्रम अपेक्षाकृत अधिक सारगर्भित आ प्रसंगानुकूल भेल अछि"- एहि कथनक समीक्षा करू। (२०)

(बी) समकालीन मैथिली कविताक आधार पर मायानन्द मिश्रक कवितासँ परिचय कराउ। (१५)

(सी) "समकालीन मैथिली कविता" क आधार पर रामकृष्ण झा "किसुन" क काव्य-सौष्ठवसँ परिचय कराउ। (१५)

४. (ए) "गोविन्ददास भजनावली" कगीत सर्वथा भक्तिमूलक प्रतीत होइत अछि ओ शृंगार एहिमे आवरणक काज करैत अछि"- पठित अंशक आधार पर अपन विचार व्यक्त करू। (२०)

(बी) "दत्तवती" महाकाव्यक पठित अंशकाअधार पर "सुमन" जीक पाण्डित्य-प्रकर्षसँ परिचय कराउ। (१५)

(सी) "गोविन्ददासक काव्य नारिकेल फलक सदृश रहितहुँ श्रुति-माधुर्यसँ परिपूर्ण अछि"। पठित अंशक आधार पर एहि कथनक मूल्यांकन करू। (१५)

सेक्शन- बी

५. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए। (उत्तर अधिकतम १५० शब्दमे दातव्य) (१०*५=५०)

(ए) भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक। रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर। रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक। तेँ हम कहैत छियौह जे ककरो जातीय चरित्र देखबाक-बुझबाक हो त ओकर प्रधान मधुर देखी।

(बी) अइ टोकमे कोनो तेहनशक्ति रहैक जकरा नेनहिसँ मानबाक संस्कार जमि गेल रहैक। कोनो अनट-बनट काज करैत काल, कोनो अनुचित करैत काल, इएह टोक नेनासँ सुनने रहए। आ तकरा बाद फेर आगाँ किछु कहबाक आ कि करबाक साहस कहियो ने होइक। आइओ ने भेलैक। नवीन पौरुषक दर्प उतरि गेलैक। हठात् घोर लज्जा घेरि लेलकै।

(सी) परन्तु हुनकर मन एकरा कबूल करनि तखन ने! नेनु सन कोमल हृदय एहि दृढ़ताक आँचकेँ कहाँ सहि पबैत अछि? किऐक मन हरदम हुनकहि संग रहऽ लेल लागल रहैत छनि तकर कारण ओ स्वयं नहि बुझि पबैत छथि। परन्तु अन्तमे किछु अनुभव करैत छथि- एक प्रकारक आकुलता, एक प्रकारक आकांक्षा, एक प्रकारक वेदना....।

(डी) जे व्यक्ति अपने कोनो जोगरक नै रहैए सैह समाजक आ कुलशीलक नाक झंडामे टङने फिरैए आ जकरा अपन बाँहिक भरोस रहै छै से घर-परिवार वा समाजक बोझ नै बनिकऽ अपने हाथ-पयर लाड़ब

पसिन्द करैए।... जखन बैसल बेटा मायो-बापकेँ नै सोहाइत छैक, आन किए ककरो गरा लगोतैक। अहाँकेँ गौंआसभक ओहि ठाम पेट पोसऽमे मर्यादा देखाइत अछि आ हमरा एहन जीवन मरणातुल्य बुझाइत अछि।

(ई) असलमे धरती जोतनिहारक थिक। हरबाह थिक जे धरतीक असल बेटा थिक। जे अपन पसेनासँ धरती-माताकेँ पूजै अछि। कएदिन देखलहक अछि मालिककेँ अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत? देखहक सरकारी कानून तऽ जरूर सोचि विचारिकऽ बनै छैक ने। बटीदारक नामे खाता कि सिकमी-खाता खोलबाक कानून जरूर कोनो इनसाफसँ बनल हेतैक। हमसभ निपढ़ छी तँइ भने नै बुझियै, मगर ई सोचबाक चाही जे सब कानूनक पाछाँ कोनो निसाफ जरूर रहै छैक।

६. (ए) ''घरदेखिया'' कथा मिथिलाक ग्रामीण समाजक वर्ग-विशेषक यथार्थसँ साक्षात्कार करबैत अछि- स्पष्ट करू। (२०)

(बी) ''लोरिक विजय'' क कथावस्तु अति-रोचक होइतहुँ एहिमे अतिशयोक्तिक अभिव्यंजना कएल गेल अछि''- एहि कथन पर विचार करू। (१५)

(सी) ''पृथ्वीपुत्र'' उपन्यासमे जीवनक ओ चित्र उतरल अछि जे सत्य पर आधारित अछि- एहि उक्तिक समीक्षा करू। (१५)

७. (ए) ''वर्णरत्नाकर'' मे ज्योतिरीश्वर सर्वत्र प्रतीयमान चित्रदेल अछि, तऽ कतौ-कतौ सम्भाव्य सेहो अछि, जाहिसँ वर्णनक आदर्श चित्रण प्रस्तुत भेल अछि- पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू। (२०)

(बी) कोनो कथाक संगति-विसंगति कथाक नहि, ओहि समाजक रहैछ जाहिमे ओ कथाकार रहैत अछि- 'कृति राजकमलक' मे पठित प्रथम दस कथाक आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू। (१५)

(सी) ''पाँच पत्र'' कथा पति-पत्नीक राग-वृत्ति काल-चक्र द्वारा जीवनक दशा-दिशाक बोध करबैत अछि- एहि उक्तिक आलोकमे एहि कथाक मार्मिकता देखाउ। (१५)

८. (ए)मणिपद्मक ''वालगोविन'' कथाक मार्मिकता पर प्रकाश दिअ। (२०)

(बी) ''जखन बैसल बेटा मायो-बापकेँ नै सोहाइत छैक, आन किए ककरो गरा लगोतैक''- भफाइत चाहक जिनगी मे महेशक एहि उक्तिमे सन्निहित भावक समीक्षा करू। (१५)

(सी) ''झगड़ा'' संयोगाश्रित घटना प्रधान कथा अछि जकर उद्देश्य करुणा उत्पन्न करब थिक- एहिमे लेखककेँ पर्याप्त सफलता भेटल छनि- प्रमाणित करू। (१५)